

प्यारी लागे ओ साँवरिया थाकि मुकट मणि भजन लिरिक्स



प्यारी लागे ओ साँवरिया,
थाकि मुकट मणि ।

दोहा – प्रीत लगाकर सांवरा,
तू परदेसा मति जाय,
में ल्याउ मांग कर,
तू बेठो बेठो खाय ।

प्यारी लागे ओ साँवरिया,
थाकि मुकट मणि,
ओ मुकट मणि ओ थाके,
सोवे तो घणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।bd।

भाई रुक्मइयो मारो,
ब्याह जी रचावे देखो जी,
भाई रुक्मइयो मारो,
ओ थाणे तो गई थी मारे,
मांडा की टणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।bd।

यो शिशुपाळो चंदेरी को राजा,
देखो जी यो शिशुपाळो,
अरे फोज्या ल्यायो जी यो तो,
गणी तो गणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।bd।

आप न आवो सांवरा,
प्राण तजी देउ जी,
आप न आवो,
आप का बीना तो मारो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के हेमपेज पर मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।bd।

ओ पदम बणे ओ काई,
ए पाय लागू थाके जी,
पदम पड़े ओ कई,
नाव तो भवंर के या,
बीच मे पड़ी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।bd।

प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि,
ओ मुकट मणि ओ थाके,
सोवे तो घणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।bd।

गायक – रामप्रसाद जी।
प्रेषक – कुलदीप मेनारिया
9799294907
